प्रेरणा

संस्कारों से बड़ी कोई वसीयत नहीं और ईमानदारी से बड़ी कोई विरासत नहीं।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 13 SEPTEMBER TO 19 SEPTEMBER 2024 • VOLUME 08 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

मैं लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार : ममता बनर्जी

2 घंटे तक खाली कुर्सियों के सामने किया इंतजार, बातचीत के लिए डॉक्टरों के नहीं आने पर बोलीं मुख्यमंत्री

कोलकाता. आरजी कर अस्पताल को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उन्हें कुर्सी का लालच नहीं है और वे लोगों की खातिर इस्तीफा देने को भी तैयार हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बलात्कार और हत्या की पीड़िता के परिवार के लिए न्याय समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों के साथ गतिरोध के बीच एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। ममता ने कहा कि हमने जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। आरजी कर मामला क्योंकि न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता। ममता ने कहा कि हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम उच्चतम न्यायालय की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे।

बंगाल सीएम ने कहा कि आरजी कर मामले में गतिरोध को समाप्त करने के लिए मैंने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत करने की तीन बार कोशिश की। जूनियर डॉक्टरों के 'काम बंद' करने से 27 लोगों की मौत हुई, सात लाख मरीज परेशान हैं। मैं आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करूंगी, उन्हें माफ कर दूंगी क्योंकि हम बड़े हैं। इसके साथ ही ममता ने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगती हूं, जिन्हें उम्मीद थी कि आज आरजी कर गतिरोध खत्म हो जाएगा। ममता ने कहा कि हमारे पास बैठक को रिकॉर्ड करने की पूरी व्यवस्था थी। प्रक्रिया की पारदर्शिता और सटीक दस्तावेज़ीकरण के लिए और हम सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के साथ रिकॉर्डिंग साझा करने के लिए भी तैयार थे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस इन खबरों के बीच आई कि प्रदर्शनकारी डॉक्टर आरजी कर अस्पताल गतिरोध को हल करने के लिए सीएम की मौजूदगी में बातचीत करने पर सहमत हुए हैं। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने गुरुवार को शाम 5 बजे के निर्धारित समय के भीतर राज्य सचिवालय में प्रस्तावित बैठक में भाग लेने के अपने फैसले की घोषणा की थी। हालाँकि, चिकित्सकों ने घोषणा की थी कि वे राज्य सरकार द्वारा अनिवार्य 15 लोगों की बजाय 30 सदस्यों के साथ बैठक में भाग लेने की अपनी मूल मांग पर अड़े रहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि वे वार्ता की लाइव स्ट्रीम से कम किसी भी चीज़ पर सहमत नहीं होंगे, जिसे राज्य सरकार ने अस्वीकार कर दिया था।

हरियाणा विधानसभा भंग, राज्यपाल ने जारी की अधिसूचना

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा भंग कर दी। प्रदेश की भाजपा सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने इस बारे में अधिसूचना जारी की। विधानसभा भंग करने की अधिसूचना में गवर्नर ने लिखा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (2) के उप-खंड (बी) द्वारा मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं बंडारू दत्तात्रेय, राज्यपाल हरियाणा तत्काल प्रभाव से हरियाणा विधानसभा भंग करता हूं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई थी जिसमें विधानसभा भंग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। विधानसभा सत्र न बुला पाने के संवैधानिक संकट से बचने के लिए हरियाणा सरकार ने यह कदम उठाया। राज्य सरकार का कार्यकाल तीन नवंबर तक था। यानी अभी कार्यकाल पूरा होने में 52 दिन बचे थे। नियमों के चलते 12 सितंबर तक सत्र बुलाना अनिवार्य था। विधानसभा भंग होने के उपरांत सैनी कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। गौरतलब है कि विधानसभा की कुल 90 सीट में से फिलहाल 81 विधायक हैं और भाजपा के पास 41 बहुमत का आंकड़ा था।

16वें वित्त आयोग के सम्मेलन में चीमा ने पंजाब के दृष्टिकोण व चिंताओं को किया व्यक्त

वित्त मंत्रियों की बैठक में पंजाब की ओर से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और संसाधनों के समान वितरण की वकालत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/तिरुवनंतपुरम

पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज तिरुवनंतपुरम, केरल में चल रहे वित्त मंत्रियों के 16वें वित्त आयोग सम्मेलन को संबोधित करते हुए जहां जोरदार तरीके से राज्यों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, वहीं पंजाब के दृष्टिकोण, इच्छाओं और अपेक्षाओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया। सम्मेलन के सुबह के सत्र को संबोधित करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस महत्वपूर्ण बैठक की मेज़बानी के लिए केरल सरकार की दिल से प्रशंसा की और राज्य की दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की। इसके बाद उन्होंने 16वें वित्त आयोग के साथ पंजाब की हुई सार्थक बातचीत को साझा किया, सामाजिक और विकास संबंधी खर्चों में भारी असमानता जैसे मुद्दों को उजागर किया, और जीएसटी के लागू होने के परिणामस्वरूप सीमित वित्तीय स्वायत्तता जैसी चिंताओं का भी उल्लेख किया।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि यह आवश्यक है कि आयोग हर राज्य के समक्ष मौजूद विशिष्ट चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्हें हल करे। इसके साथ ही उन्होंने वर्टिकल डिवॉल्यूशन में महत्वपूर्ण वृद्धि की वकालत करते हुए इसकी वर्तमान 41 प्रतिशत दर में पर्याप्त बढ़ोतरी की अपील की। इसके अलावा, उन्होंने संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सेस, सरचार्ज और चुनिंदा गैर-कर राजस्व को विभाज्य पूल में शामिल करने की सिफारिश की। वित्त मंत्री चीमा ने आयोग से एक सूक्ष्म फॉर्मूला विकसित करने की भी मांग की, जो राज्य की विकास क्षमता के आधार पर संसाधनों का वितरण करे और कम प्रदर्शन करने वाले राज्यों को लक्षित सहायता प्रदान करे, ताकि संतुलित विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि राज्य की ओर से आयोग के साथ चर्चा के दौरान वित्तीय जिम्मेदारी और बजट प्रबंधन अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने के लिए कुछ सुझाव भी दिए गए हैं। उन्होंने सुदृढ़ आपदा प्रबंधन, लचीले संघीय ढांचे और मैत्रीपूर्ण केंद्र-राज्य संबंधों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने संघीय ढांचे को पुनः सशक्त और मजबूत करने की अपील की, ताकि प्रत्येक राज्य को भारत के विकास के मार्ग का अभिन्न अंग बनाते हुए यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का कोई भी क्षेत्र प्रगति की दौड़ में पीछे न रह जाए।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने अपने भाषण के समापन टिप्पणी में देश के विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग की आवश्यकता को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत की वास्तविक प्रगति तभी हो सकती है जब देश के सभी राज्य एक सुनहरे भविष्य की प्राप्ति के लिए एकजुट होकर तरक्की करें।

सीताराम येचुरी का देहांत, शरीर एम्स को दान

कोलकाता. सीताराम येचुरी के देहांत के बाद परिवार ने शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए उनके शरीर एम्स को दान कर दिया। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि 72 वर्ष के सीताराम येचुरी को निमोनिया के कारण 19 अगस्त 2024 को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर 2024 को दोपहर 3:05 बजे उनका निधन हो गया। परिवार ने उनका शरीर एम्स को दान कर दिया है।

पीएम मोदी ने किया शोक व्यक्त : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व संसद सदस्य सीताराम येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर एक भावपूर्ण संदेश में, श्री मोदी ने कहा- श्री सीताराम येचुरी जी के निधन से दुखी हूँ। वे वामपंथ के एक अग्रणी प्रकाश स्तंभ थे और पूरे राजनीतिक परिदृश्य में अपनी संपर्क-क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने एक प्रभावी सांसद के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।"

मजीठिया केस में ईडी की एंट्री पर 'आप' ने उठाए सवाल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल बादल के नेता बिक्रम मजीठिया से संबंधित ड्रग्स केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री पर आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। आप पंजाब के वरिष्ठ प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि ईडी के माध्यम से जांच मजीठिया को क्लीन चिट देने के लिए है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से उनके अच्छे संबंध हैं।

नील गर्ग ने कहा कि मजीठिया को लगता है कि ईडी के पास मामला जाने से उनको क्लीन चिट मिल जाएगी क्योंकि ईडी केंद्र सरकार के अधीन है लेकिन इससे उन्हें खास राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी अपनी जांच जारी रखेगी और इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी करके सभी दोषियों को सजा दिलाएगी। जैसे ही इन्वेस्टिगेशन अंजाम तक पहुंचेगा, चालान पेश हो जाएगा। एसआईटी पूरी स्वतंत्रता पूर्वक कम कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

नील गर्ग ने कहा कि गैंगस्टर, माफिया,

ड्रग तस्कर और भ्रष्टाचारी ये सभी पंजाब के दुश्मन हैं। इन सब पर एक समान कार्रवाई होगी। आप सरकार किसी भी तरह की बदले की राजनीति नहीं कर रही है। जिसने भी पंजाब के लोगों के साथ गलत किया है सरकार उसपर कार्रवाई कर रही है और करेगी।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिसने भी पंजाब को ड्रग्स के जाल में फंसाया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे हर एक लोगों को सख्त सजा दी जाएगी।

बाजवा ने आप पर पंजाब को कर्ज में डूबा राज्य बनाने का आरोप लगाया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर अपने शासन के केवल 2.5 वर्षों में पंजाब को कर्ज में डूबा दयनीय राज्य में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने किसी भी बैंक को बिना भारी कर्ज लिए नहीं छोड़ा है। इस बीच, पंजाब राज्य कृषि विपणन बोर्ड जिसे पंजाब मंडी बोर्ड के रूप में भी जाना जाता है, विभिन्न बैंकों से ऋण जुटाने के लिए स्तंभ से पोस्ट तक चल रहा है। कुछ बैंक पहले ही ऋण देने में अनिच्छा दिखा चुके हैं। बाजवा ने एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि मंडी बोर्ड ने अब ग्रामीण सड़कों की मरम्मत के लिए राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से 8.3 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण लेने का विकल्प चुना है।

बाजवा ने कहा, 'पंजाब सरकार आप कैबिनेट के कुप्रबंधन, अक्षमता और निष्ठाहीनता के कारण घुटने तक गहरे वित्तीय संकट में है।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि सरकारी खजाने पर जो कर्ज है, वही वास्तव में पंजाब के लोगों पर बोझ है। यह पंजाब के लोग हैं, जिन्हें अंततः भारी करों के साथ ऋण चुकाना होगा। आम आदमी पार्टी पहले ही मोटर वाहन कर, पेट्रोल और डीजल पर वैट और कलेक्टर दरों में बढ़ोतरी कर चुकी है।

पैरालंपिक मेडल विनर्स से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर भारत के पैरालंपियन खिलाड़ियों से मुलाकात की। पीएम ने हाल ही में पेरिस पैरालंपिक गेम्स में रिकॉर्ड 29 मेडल जीतने के लिए बधाई दी। इसके अलावा गोल्ड मेडलिस्ट अवनी लेखरा ने पीएम से मुलाकात कर उन्हें एक स्पेशल गिफ्ट भी दिया। खेल मंत्रालय ने 43 सेकेंड के एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें प्रधानमंत्री को पैरालंपियन मेडल विनर्स को बधाई देते हुए और उनसे बात करते हुए देखा जा सकता है। इस बातचीत के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रमुख देवेंद्र झाझडिया भी मौजूद थे।

पैरालंपिक में दो गोल्ड पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनी लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग इवेंट में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखा।

महिला आयोग ने लिया जालंधर में युवती के साथ दुष्कर्म की घटना का सख्त नोटिस

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब राज्य महिला आयोग ने मीडिया में प्रकाशित हो रही खबरों का गंभीर नोटिस लिया है,जिसमें डाक विभाग में काम करने वाली 20 वर्षीय लड़की के बारे में बताया गया कि वह रोज़ की तरह घर नहीं आई तो उसके परिवार ने काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। अगले दिन वह लड़की दिल्ली के पास के एक इलाके में पुलिस को बेसुध हालत में मिली। बाद में पुलिस की मदद से परिवार उसे जालंधर में अपने घर ले आया। इस घटना के दौरान युवती के साथ दुष्कर्म हुआ। पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज गिल ने मीडिया में प्रकाशित इस खबर का गंभीर संज्ञान लिया और पुलिस को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने का नोटिस जारी किया। चेयरपर्सन राज लाली गिल ने पीड़ित लड़की के परिवार से बात की और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिया।

पंजाब राज्य महिला आयोग द्वारा नोटिस जारी करने के बाद जालंधर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और इस मामले में आरोपी बलविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। गिल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में किसी भी महिला के खिलाफ अपराध को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि मान सरकार हर महिला को उसका उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

बहुमूल्य जीवन को बचाने में भी है स्वच्छ भारत मिशन का योगदान

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल-जनित बीमारियों के साथ-साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है।

भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया है- 'स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम्' यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन

का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है। इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों- केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान- के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया। दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अधेरे में अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी।

इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी। भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत-प्रतिशत हो गया।

इस मिशन के तहत, 2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक 'जन आंदोलन' के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम-स्तर के स्वयंसेवक ('स्वच्छाग्रही') ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन के चैंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, 'मन-की-बात' में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया। इस नेक मिशन की सफलता वास्तव में हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

-डॉ. विनोद पॉल नीति आयोग के सदस्य हैं। ये उनके निजी विचार हैं।

मोहाली एयरपोर्ट पर सीएम 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की प्रतिमा समर्पित करेंगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह के जन्मदिन के मौके पर मोहाली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शहीद-ए-आज़म की 30 फुट ऊंची प्रतिमा को समर्पित करेंगे। प्रतिमा की स्थापना का जायजा लेने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 30 फुट ऊंची प्रतिमा गनमेटल से तैयार की गई है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रतिमा युवा पीढ़ी को देश की सेवा के लिए प्रेरित करने में बहुत सहायक होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रतिमा राज्य सरकार की ओर से महान शहीद को उचित श्रद्धांजलि होगी और शहीद की गौरवमयी विरासत को हमेशा कायम रखने में सहायक होगी।

यात्रा करने से मिलते हैं ये सबक, जिंदगी को बनाते हैं और भी मजेदार

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हमारी जिंदगी की आधी उम्र लगभग पढ़ाई और भागम-भाग में ही निकल जाती है, जिससे हम काफी चीजें सीख नहीं पाते। ऐसे में कई बार ऐसा भी होता है कि हम अपनी जिंदगी में काफी कुछ हासिल भी नहीं कर पाते। हमारे मन में बस आगे बढ़ने की होड़ लगी रहती है और यहीं सब करते-करते जिंदगी बीत जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि यात्रा हमारे जीवन कितनी सीख देती है...

जी हां, यात्रा या घूमना-फिरना हमारे जिंदगी में एक अलग सा बदलाव ला सकता है। हमें काफी चीजों के मायने बता सकता है, हमें जीने का तरीका बता सकता है, हमें उन बातों से रूबरू करवा सकता है, जिसके बारे में हम सभी सिर्फ सुनते आ रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि यात्रा करने से हमें क्या सीख मिलती है और क्या सबक?

- यात्रा करने से आपको एक बात समझ आएगी कि सीमा रेखा सिर्फ नक्शों पर बना होता है। असल जिंदगी में ये जमीन एक जैसी ही होती है। दोनों तरफ की जमीनों में कोई अंतर नहीं होता है।
- जब आप यात्रा के दौरान किसी ऐसे स्थान पर घूमने जाते हैं, जहां आपके भाषा वाले लोग न हो और फिर आपको वहां अच्छे लोग मिल जाए और उनसे दोस्ती हो जाए। ऐसे में आपको एक बात समझ आएगी कि भाषा महज एक संचार का माध्यम है, इससे हमारी दोस्ती और आपसी तालमेल में कोई फर्क नहीं पड़ता।
- कई बार होता है कि हमें लोगों से घुलना-मिलना अच्छा नहीं लगता। बात करने में काफी हिचकिचाहट महसूस होती है। लेकिन जब आप यात्रा पर निकलते हैं तब आपकी कमजोरी भी आपसे कोसों दूर चली जाती है। ऐसे में आप एक अच्छे वक्ता भी बन सकते हैं।
- भारत की विविध संस्कृति और परम्परा से रूबरू होने के लिए सम्पूर्ण भारत की यात्रा सभी को जरूर करनी चाहिए। इससे सही मायनों में आप भारतीय इतिहास और यहां की विविधता से रूबरू हो सकेंगे और काफी कुछ जान सकेंगे।
- बचपन से हम सभी इतिहास पढ़ते आ रहे हैं लेकिन काफी कम ही लोग होते हैं, जिन्हें इतिहास में महारथ हासिल होती है। ऐसे में ऐतिहासिक स्थलों की सैर करना आपको इतिहास में महारथ हासिल करा सकता है। इससे आपको वो सब कुछ जानने और देखने को मिलेगा, जो आप पढ़ कर कभी नहीं जान सकते।
- हमारे मन में हमेशा डर बना रहता है कि आखिर दूसरे संस्कृति वाले लोग कैसे होते होंगे, उनसे कभी तालमेल बन पाएगा या नहीं। ये भ्रम आपका घूमने टूट जाएगा और आप तमाम संस्कृति के लोगों से दोस्ती कर सकेंगे और उनसे अपनी भावनाएं भी शेयर कर सकेंगे।
- पढ़ाई के दौरान काफी लोगों की कहानियां आपने पढ़ी होंगी, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आपकी भी कहानी कोई पढ़ सकें। अगर हां, इसका सबसे बेहतर ऑप्शन है यात्रा करना। जी हां, यात्रा करने से आपको जो अनुभव मिलेगा, आप उसे एक कहानी या किताब का रूप दे सकते हैं।
- जिंदगी को किस प्रकार से बैलेंस किया जाए और किस प्रकार से आसानी से उसे चलाया जाए, ये सब कुछ आप अपनी यात्रा से सीख सकते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि यात्रा करना काफी अच्छा होता है, यह बहुत सीखाता है।
- यात्रा करने से, नई-नई जगह घूमने से, आने-जाने से आत्मविश्वास बढ़ता है, जो जिंदगी के हर कदम पर आपका साथ देती है। इससे एक आम इंसान भागदौड़ की जिंदगी से सुकून की सांस ले सकता है।
- यात्रा करने से इंसान सही-गलत में फर्क करना सीख जाता है। आपके लिए क्या सही है, आप यह डिसाइड कर पाएंगे।
- अगर आप अपने जीवनसाथी के साथ यात्रा कर रहे हैं तो आप दोनों के बीच काफी बॉन्ड बन सकता है, जो शायद भागम-भाग वाली जिंदगी में नहीं बन पाती। यात्रा करने से आप दोनों में आपसी सामंजस्य बढ़ेगा।
- कठिनाईयों और चुनौतियों से लड़ने की क्षमता आप में उत्पन्न होगी, जिसकी हम सभी में कमी होती है।

यात्रा दुनिया का सबसे बड़ा शिक्षक है। जिंदगी में जब भी आपको मौका किसी न किसी जगह पर घूमने के लिए जरूर जाएं, आपको हमेशा ही कुछ न कुछ नया अनुभव जरूर मिलेगा।

HAPPINESS HABITS

4 आदतें जो शरीर में बढ़ा सकते हैं हैपी हार्मोन, हमेशा दुरुस्त रहेगी मेंटल हेल्थ

रोजाना की कुछ आदतें शरीर में हैपी हॉर्मोन को कम कर सकती हैं, तो वहीं कुछ आदतें इन हॉर्मोन को बढ़ा सकती हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हर कोई अपनी लाइफ में खुश रहना चाहता है। लोग खुश रहने के लिए हर दिन कुछ न कुछ जरूर करते हैं। खुद को खुश रखने का हर किसी का अपना तरीका है। जैसे कुछ लोगों को मीठा खाकर खुशी मिलती है तो वहीं कुछ लोगों को शॉपिंग करके खुशी मिलती है। लेकिन हर बार ऐसा करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, कुछ सिंपल आदतें हैं जिन्हें अपनाकर शरीर में हैपी हार्मोन को रिलीज होते हैं और मेंटल हेल्थ अच्छी रहती है।

• ध्यान करें और शांत रहें

मेंटल हेल्थ और खुशी को बढ़ाने के लिए ध्यान जरूरी है। ऐसा करने से सेरोटोनिन और एंडोर्फिन का लेवल बढ़ता है, जिससे मूड में सुधार होता है और तनाव कम होता है। हर दिन केवल कुछ मिनट ध्यान में बिताने से ज्यादा खुशी मिल सकती है।

• अपने जुनून में खुशी ढूंढें

हॉबीज केवल समय गुजारने का एक तरीका नहीं हैं, ये खुशी का एक जरूरी स्रोत भी हो सकता है। जिन एक्टिविटीज में हम इंटरेस्ट होता है उनमें शामिल होने से डोपामाइन का स्राव शुरू हो सकता है, जो खुशी से जुड़ा हार्मोन है। जिन चीजों का आपको शौक है उसके लिए समय बिताएं। ऐसा करने से मूड बेहतर होता है।

• नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

मेंटर हेल्थ समेत ओवलऑल हेल्थ के लिए नींद जरूरी है। नींद की कमी से सेरोटोनिन का स्तर कम हो सकता है। अपनी खुशी को बढ़ाने के लिए हर रात 7-9 घंटे की नींद लें। इसी के साथ सोने से पहले कैफीन से परहेज करें। ऐसा करने से मूड में सुधार होता है।

• लोगों से मिलें-जुलें और जुड़ें

भावनात्मक कल्याण के लिए मजबूत सामाजिक संबंध बनाए रखना जरूरी है। अपनों के साथ समय बिताना, बातचीत करना और यहां तक कि किसी अपने को गले लगाने जैसी आदतों से ऑक्सीटोसिन रिलीज को ट्रिगर कर सकते हैं और इससे मूड बेहतर होगा।

बारिश की वजह से अचार में लग गई है फफूंद तो फेंके नहीं, ऐसे करें ठीक

बरसात की नमी अचार को भी खराब कर सकती है। अगर अचार में फफूंद लग गई है तो फौरन फेंकने की बजाय इस तरह कर सकते हैं सही।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

बारिश की वजह से घर में नमी काफी ज्यादा आती है। जिसकी वजह से खाने-पीने के सामान को रखने में खास सावधानी रखनी पड़ती है। नहीं तो जरा सी नमी से कीड़े और फफूंद लगना शुरू हो जाती है। घर में अचार बनाकर रखा है तो कई बार नमी की वजह से इनमे भी फफूंद लग जाती है। ऐसे फफूंद लगे अचारों को फौरन फेंकने की बजाय इस तरीके से एक बार सही किया जा सकता है। जिससे कि ये सालभर तक खराब ना हो और खाने लायक बने रहें।

- अचार तो होते ही प्रिजरवेटिव है। सब्जियों को प्रिजर्व कर मसाला मिलाकर रखा जाता है। गर्मियों में बने आम, कटहल, मिर्चे जैसे अचार नें अगर फफूंद लग जाती है तो इन्हें ठीक करने का बड़ा ही सरल नुस्खा है।
- सबसे पहले अचार में पड़ी सारी फफूंद को साफ और सूखे चम्मच की मदद से निकालकर बाहर कर दें। डिब्बे और आसपास जितना भी फफूंद है उसे निकाल दें।
- फिर किसी पैन में अचार की मात्रा के हिसाब से सरसों का तेल लें और गर्म करें। जब ये तेल धुआं फेंकने लगे तो गैस की फ्लेम बंद कर दें और तेल को ठंडा हो जाने दें। सरसों का तेल जब पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो इसे अचार के ऊपर डालकर रख दें। ढक्कन लगा दें और साफ सूखी जगह पर रख दें।
- साथ ही बाहर धूप हो तो कुछ देर के लिए इस अचार को धूप में सुखा दें। लेकिन ध्यान रहे कि पानी की एक भी बूंद ना पड़े।
- अचार को खराब होने से बचाने के टिप्स
- अचार के डिब्बे में कभी भी गीले चम्मच या गीले हाथ नहीं डालने चाहिए। खासतौर पर हाथों को तो बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए।
- अचार रखने के लिए छोटे मुंह के डिब्बे का इस्तेमाल करना ज्यादा अच्छा होता है। इससे अचार जल्दी खराब नहीं होता है।
- अचार को खराब होने से बचाने के लिए बीच-बीच में धूप दिखाते रहें। जिससे नमी ना पैदा हो और अचार सूखा रहे।
- इसके साथ ही अचार में पके हुए सरसों का तेल ऊपर तक भरें। सरसों का पका तेल प्रिजरवेटिव का काम करता है। जिससे अचार सालों तक खराब नहीं होता है।

बेटी को महफूज रखना चाहते हैं तो उसे जरूर सिखाएं ये बातें

अपनी बच्ची की सेफ्टी चाहती हैं तो उसे इन 5 बातों को जरूर सिखाएं। जिससे कि बड़े होकर भी सुरक्षित रहे और किसी भी तरह के हरेसमेंट की शिकार ना हो।

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आजकल के माहौल में पैरेंट्स, जिनकी बेटियां हैं वो बेहद डरे हुए रहते हैं। स्कूल-कॉलेज से लेकर घर का माहौल भी अब सेफ नहीं रह गया है। अपने ही रिश्तेदार और जानने वाले कई बार बच्चों के साथ गलत हरकतें करते हैं और बेटियां डर की वजह से किसी से बातें नहीं बतातीं। अपनी बेटी को किसी भी तरह की मेंटली, सेक्सुअली हरेसमेंट से बचाकर रखना चाहती हैं तो उन्हें ये 5 बातें जरूर सिखाएं। जिससे जीवनभर वो सुरक्षित रहेगी।

सेल्फ डिफेंसं _ बेटी को बचपन से ही सेल्फ डिफेंस की क्लास दिलाएं। जूडो-कराटे, ताइक्वांडो, मार्शल आर्ट्स किसी भी क्लास में दाखिला जरूर दिला दें। जिससे कि वो कम से कम मुसीबत में खुद की सुरक्षा कर सके। इससे बेटी ना केवल फिजिकली स्ट्रांग होगी बल्कि मेंटली भी उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

'ना' कहना सिखाएं _ अपनी बच्ची को ना कहना सिखाएं। कोई भी फिर चाहे टीचर, रिश्तेदार, फ्रेंड्स ही क्यों ना हो, अगर टच करते हैं और उसे बुरा लगता है तो सख्ती से ना बोलें और घर में पैरेंट्स को इस बारे में जरूर बताएं।

खुद की रिस्पेक्ट जरुर करें _ बच्ची को सेल्फ रिस्पेक्ट के बारे में बताएं। उसे सिखाएं कि वो आत्मसम्मान को हमेशा बनाए रखे। कोई लूज टॉक करता है या ऐसी बात जो आपको पसंद नहीं तो फौरन उसे टोकें और घर में पैरेंट्स को इस बारे में बताएं।

मेंटली स्ट्रांग बनाएं _ बच्ची को दिमागी रूप से मजबूत बनाएं। लाइफ में होने वाले किसी भी घटना का असर दिल-दिमाग पर ना पड़ने दें। किसी मुसीबत में डरकर कांपने की बजाय उसका सामना करना है। इस तरह की बात को बेटी के मन में जरूर डालें।

सतर्क रहना सिखाएं _ घर से बाहर निकलते वक्त हमेशा सतर्क रहें। टेक्नोलॉजी की हेल्प लें और लाइव लोकेशन को किसी भरोसेमंद पैरेंट्स के साथ शेयर करें। जिससे को आपके टच में बना रहे और जरूरत पर आप उसकी हेल्प ले सकें।

गुड मैनर के बेसिक रूल्स जो सक्सेजफुल होने के लिए हर इंसान को पता होने चाहिए

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हर इंसान को लाइफ में कुछ बेसिक गुड मैनर्स के बारे में जरूर पता होना चाहिए। ये अच्छे मैनर लाइफ में सक्सेजफुल होने की गारंटी होते हैं। क्योंकि इन बेसिक रूल्स का अभाव कई बार आपको फेलियर बना सकता है। आमतौर पर बेसिक मैनर की बात करते हैं तो बस बच्चों को ही समझाते हैं लेकिन बड़े होने के बाद भी कुछ चीजों को फॉलो करना जरूरी है।

घर के बड़े-बूढ़े अक्सर इन बातों को हमें समझाते आ रहे हैं और ये बातें आज भी सफलता के जरूर मंत्र है।

- कभी भी उन बातों के बारे में नहीं बोलना चाहिए जिनके बारे में आपको ना जानकारी हो। हमेशा पूरी जानकारी के बाद ही किसी मुद्दे पर अपनी बात रखनी चाहिए।
- अगर किसी इंसान ने आपको नहीं इनवाइट किया है तो कभी भी ऐसी जगहों पर नहीं जाना चाहिए।
- जो चीजें आपके मतलब की नहीं है उस मामले में कभी भी इंटरफेयर नहीं करना चाहिए। ये बेसिक मैनर घर से लेकर बाहर तक हर जगह जरूरी है।
- किसी के घर गए हैं तो कभी भी बिना इजाजत के फ्रिज नहीं खोलना चाहिए। ये बहुत ही बेसिक मैनर है जिसकी जानकारी अपने बच्चे को जरूर देनी चाहिए।
- बेसिक मैनर रूल ये भी कहता है कि रात 10 बजे के बाद किसी को भी फोन नहीं करना चाहिए। जब तक कि इमरजेंसी ना हो या फिर कोई आपके जानने वाले ने इजाजत ना दी हो, रात 10 बजे फोन करने की।
- कभी भी किसी के घर में जाएं तो उसके बेडरूम में नहीं बिना परमिशन नहीं जाना चाहिए।
- लंच टाइम पर किसी से मिलने नहीं जाना चाहिए।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

क्या होती है स्लीप डेट? हार्ट अटैक के खतरे को कम करने के लिए लोग इस तरह करते हैं पूरी अपनी नींद

HEALTH

हमारी दुनिया में हम से जुड़ी क्या खबरें हैं? हमारे लिए उपयोगी कौन-सी खबर है? किसने अपनी उपलब्धि से हमारा सिर गर्व से ऊंचा उठा दिया? ऐसी तमाम जानकारियां हर सप्ताह आपसे यहां साझा करेंगी,
जयंती भारद्वाज

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आजादी इतनी बड़ी नियामत है कि जब छिन जाती है तो इसका मोल पता चलता है। अफगानिस्तान में सत्ता में आने के बाद तालिबान लगातार स्त्री विरोधी नियम-कानून ला रहा है। कुछ समय पहले बारह साल से अधिक उम्र की लड़कियों का स्कूल जाना बंद करवा दिया। अब उन्होंने कहा है कि महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर कुछ नहीं कह-बोल पाएंगी। इसके अलावा अकेली महिलाओं के बाहर जाने, पति के अलावा किसी और मर्द के साथ गाड़ी में जाने और तलाक या किसी अन्य मसले पर कोर्ट जाने पर भी पाबंधी लगा दी गई है। तालिबान के अनुसार महिलाओं की आवाज से पुरुषों का ध्यान भटकता है। यही नहीं, महिलाओं के नौकरी करने को ले कर भी कई तरह की पाबंधियां हैं। बड़े पदों पर उन्हें अनफिट करार दिया गया है। ज्यादतियों के विरोध में अफगानी महिलाएं ना आवाज उठा सकती हैं ना लड़ सकती हैं। अपने क्रूर पति से तलाक लेना दूर की बात है। तालिबान शासन से पहले जिन महिलाओं ने तलाक लिया है, उसे भी इस सरकार ने अवैध करार दिया है। इसका मतलब है कि वे औरतें जिन्होंने

अपनी मर्जी से तलाक लिया था उन्हें अपने शौहरों के पास लौटना होगा। संयुक्त राष्ट्र संघ तालिबान की निंदा कर रहा है। दूसरे देशों में भी भर्त्सना हो रही है। पर जो महिलाएं, युवतियां और बच्चियां इस जुल्म से गुजर रही हैं, फिलहाल उनकी आजादी, मुक्ति और रिहाई का कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा।

फूड एलर्जी की तगड़ी मार

पिछले दस सालों में पूरी दुनिया में, खासकर ब्रिटेन में फूड एलर्जी के मामले दोगुने हो गए हैं। डेली मेल में प्रकाशित खबर के अनुसार इस एलर्जी से बचाव के लिए जितनी दवाएं चाहिए, वे भी उपलब्ध नहीं हैं। हाल ही में एक करोड़ तीस लाख लोगों पर किए गए अध्ययन में यह पाया गया है कि फूड एलर्जी के ज्यादातर शिकार नर्सरी में पढ़ने वाले बच्चे हैं। अधिकांश बच्चों को दूध, मूंगफली, अंडा और शेल फिश आदि से एलर्जी है। इस अध्ययन से जुड़े बाल चिकित्सा एलर्जी के विशेषज्ञ डॉक्टर पॉल टर्नर कहते हैं, 'इस नए अध्ययन से बहुत-सी नई बातों का पता चला है। फूड एलर्जी पहले से घातक होने लगी है। पर अच्छी बात है कि इसे रोकने के लिए अब दवाइयां भी उपलब्ध हैं। जरूरी है कि ये दवाइयां आसानी से और हर कहीं उपलब्ध हों।' यह शोध लेंसेट पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

सप्ताहांत उतारते हैं नींद की खुराक

क्या आप रात को आठ घंटे की नींद ले पाते हैं? आपमें से अधिकांश का जवाब नहीं होगा। महिलाओं के लिए तो यह और भी मुश्किल है। घर का पूरा काम करके बिस्तर पर जाना और सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जल्दी उठना, यानी अपनी नींद के साथ समझौता करना। नींद से संबंधित इस नए अध्ययन में कहा गया कि जो लोग सप्ताह के दूसरे दिनों में अपनी नींद पूरी नहीं कर पाते, वो सप्ताहांत अपनी बची नींद पूरी करने की कोशिश करते हैं। इसे विशेषज्ञों ने 'स्लीप डेट' का नाम दिया है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर आप अपनी नींद का कोटा इस तरह पूरी करते हैं तो दिल का दौरा पड़ने की संभावना 28 प्रतिशत तक कम हो जाती है। लंदन के यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियॉलोजी कॉन्ग्रेस में हुए इस अध्ययन में पाया गया कि चीन के लोग अपनी बची नींद का कोटा पूरा करने में माहिर हैं। वे नींद के साथ कोई समझौता नहीं करते। इस अध्ययन में शामिल क्लीवलैंड क्लीनिक के रिसर्च के अनुसार अधूरी या कम नींद की वजह से शरीर कमजोर पड़ता है और इसका असर महिलाओं पर ज्यादा दिखाई देता है।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

साइबर सुरक्षा केवल डिजिटल दुनिया तक ही सीमित नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अहम पहलू है : अमित शाह

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में I4C के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया और साइबर अपराध की रोकथाम के लिए प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया। गृह मंत्री ने साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (CFMC) राष्ट्र को समर्पित किया और समन्वय प्लेटफॉर्म (संयुक्त साइबर अपराध जांच सुविधा प्रणाली) का शुभारंभ किया। अमित शाह ने 'Cyber Commandos' कार्यक्रम और Suspect Registry का भी उद्घाटन किया। साथ ही गृह मंत्री ने I4C के नए लोगो, विजन और मिशन का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार, केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन, निदेशक आईबी, विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक/वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अनेक सरकारी संगठनों के अधिकारी, विभिन्न बैंकों/वित्तीय मध्यस्थों, फिनटेक, मीडिया, साइबर कमांडो, NCC और NSS कैडेट शामिल होंगे।

अपने संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर Safe Cyber Space अभियान के तहत 2015 में I4C की स्थापना हुई थी, तब से यह लगातार एक साइबर सुरक्षित भारत का मजबूत स्तंभ बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2015 से 2024 की 9 साल की यात्रा में ये विचार एक इनीशिएटिव और फिर एक इंस्टीट्यूशन में परिवर्तित हुआ है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है। उन्होंने कहा कि तकनीक मानव जीवन के लिए आशीर्वाद साबित होती है और सभी नई पहलों में तकनीक का बहुत उपयोग हो रहा है। लेकिन तकनीक के बढ़ते उपयोग से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं और इसीलिए साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। शाह ने कहा कि I4C जैसे प्लेटफॉर्म इस प्रकार के खतरों से निपटने में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं। उन्होंने I4C से सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर जागरूकता, समन्वय और साझा प्रयास को जारी रखने का आह्वान किया। गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी एक संस्था अकेले साइबर स्पेस को सुरक्षित नहीं रख सकती। यह तभी संभव है जब कई स्टेकहोल्डर्स एक ही मंच पर आकर एक ही तरीके और रास्ते पर आगे बढ़ें। अमित शाह ने कहा कि यहां I4C के चार प्रमुख साइबर प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (CFMC) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना थी, जिसका शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ साइबर कमांडो, समन्वय प्लेटफॉर्म और सस्पेक्ट रजिस्ट्री का भी शुभारंभ हुआ है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में हर राज्य के पास साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री अलग-अलग रहने से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी क्योंकि राज्यों की अपनी सीमा है लेकिन साइबर अपराधियों की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि ये समय की मांग थी कि राष्ट्रीय स्तर पर एक सस्पेक्ट रजिस्ट्री बनाई जाए और राज्यों को इसके साथ जोड़कर साइबर अपराध से लड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जाए। इस पहल से आने वाले दिनों में साइबर अपराधों की रोकथाम में हमें बहुत मदद मिलेगी।

अमित शाह ने कहा कि से I4C एक जनजागरूकता अभियान भी शुरू कर रहा है। देश के 72 से अधिक टीवी चैनल्स, 190 रेडियो एफएम चैनल्स, सिनेमाघरों और कई अन्य प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इस अभियान को गति देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ित को साइबर अपराध से बचने का तरीका नहीं पता होगा तब तक यह अभियान सफल नहीं हो सकता। शाह ने कहा किसाइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 और I4C के अन्य प्लेटफॉर्म्स के बारे में जागरूकता फैलाने से इसकी उपयोगिता बढ़ेगी और अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। गृह मंत्री ने सभी राज्य सरकारों से इस अभियान से जुड़कर गांवों और शहरों तक जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (सीएफएमसी)के साथ बैंक, वित्तीय संस्थान, टेलीकॉम कंपनी, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर और पुलिस को एक ही मंच पर लाकर इस केन्द्र का विचार रखा गया है। शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में यह साइबर अपराध की रोकथाम का एक प्रमुख प्लेटफॉर्म बनेगा। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र को अलग-अलग डेटा का AI के उपयोग से साइबर अपराधियों के काम करने के तरीकों (MO)की पहचान कर इसकी रोकथाम का काम करना चाहिए। शाह ने कहा कि साइबर कमांडो कार्यक्रम के तहत 5 साल में लगभग 5 हज़ार साइबर कमांडो तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

अमित शाह ने कहा कि need to know के स्थान पर duty to share आज के समय की मांग है और इसके लिए समन्वय प्लेटफॉर्म से अधिक कारगर कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि data-driven approach के साथ समन्वय प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ाया गया है और देश में एक साझा डेटा कोष बनाने का यह पहला प्रयास है। गृह मंत्री ने कहा कि शुरू हुए चार इनीशिएटिव I4C और देशभर की पुलिस ने साथ में मिलकर लिए हैं, ये साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई को और पुख्ता, मजबूत और सफल बनाने में बड़ा योगदान देंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 31 मार्च 2014 को 25 करोड़ थी, जो 31 मार्च 2024 को 95 करोड़ है। उन्होंने कहा कि डाउनलोड स्पीड बढ़ने और लागत कम होने से डेटा की खपत में भी बहुत बढ़ोतरी हुई है। पहले औसत उपयोग 0.26 GB था जो लगभग 78 गुना बढ़ोतरी के साथ आज 20.27GB हो गया है। शाह ने कहा कि डिजिटल इंडिया के इनीशिएटिव के कारण देश में कई सुविधाएं ऑनलाइन हो गई हैं। 35 करोड़ जनधन खाते और 36 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड के साथ 2024 में 20 लाख 64000 करोड़ रुपये का लेनदेन डिजिटल मधयुम सेहुआ है। उन्होंने कहा कि विश्व का 46% डिजिटल ट्रांजेक्शन वॉल्यूम आज भारत में हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि जब डिजिटल अकाउंट और डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ते हैं, तो डिजिटल फ्रॉड से सुरक्षा की ज़रूरत भी बहुत अधिक बढ़ जाती है।

अमित शाह ने कहा कि 2014 में देश की मात्र 600 पंचायत इंटरनेट से जुड़ी थीं, आज 2,13,000 पंचायत जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल ट्रांजेक्शन और डिजिटल डेटा का उपयोग बढ़ने से इसे साइबर फ्रॉड से सुरक्षित करने की जिम्मेदारी भी बहुत अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा की बिक्री, ऑनलाइन उत्पीड़न, महिला और बाल शोषण, फर्जी समाचार और टूल किट, मिस इनफॉरमेशन कैंपेन जैसी बहुत सारी चुनौतियां हमारे सामने हैं और इनसे निपटने के लिए हमें बहुत कुछ करने की जरूरत है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम -मेंदेश को साइबर सुरक्षित बनाने के लिए सभी कानूनी इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कई टेक्नोलॉजी ड्रिवन इनीशिएटिव के माध्यम से इन्हें कानूनी जामा पहनाने का काम किया गया है। इन्वेस्टिगेशन साइंटिफिक बनाने और क्वालिटी आफ इन्वेस्टिगेशन में सुधार के लिए भी कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज अनेक प्रकार के नए-नए फ्रॉड में छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल होने लगे हैं। शाह ने कहा कि हमें इन समस्याओं से निपटने के लिए जल्दी ही विस्तार भी करना होगा और अपराधों का बहुत सटीक तरीके से विश्लेषण और उसके आधार पर रोकथाम की प्रक्रिया के बारे में निरंतर सोच कर आगे भी बढ़ना होगा।

अमित शाह ने कहा कि I4C ने 9 साल की अपनी यात्रा और गृह मंत्रालय का अधिकृत हिस्सा बनने के बाद एक साल के छोटे से कालखंड में बहुत अच्छा काम किया है। I4C की सबसे बड़ी उपलब्धि 1930 राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर है। उन्होंने कहा कि इसे पॉपुलर करने की जिम्मेदारी सभी राज्य सरकारों और स्टेकहोल्डर्स की हैगृह मंत्री ने 1930 हेल्पलाइन को पॉपुलर करने के लिए एक जागरूकता पखवाड़ा आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारें और गृह मंत्रालय इनीशिएटिव लेकर मिलकर 6 महीने बाद एक जागरूकता पखवाड़ा आयोजित करें। शाह ने कहा कि सभी प्लेटफार्म्स पर एक साथ राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 को पॉपुलर करने का एक अभियान चलेगा तो निश्चित रूप से फ्रॉड के शिकार लोगों सुरक्षित महसूस करेंगे, तुरंत इसकी रोकथाम होगी और फ्रॉड करने वालों के मन में भी भय उत्पन्न होगा।

गृह मंत्री ने कहा कि अब तक I4C ने 600 से अधिक एडवाइजरी जारी की हैं, साइबर अपराधियों द्वारा संचालित कई प्रकार की वेबसाइट्स, सोशल मीडिया पेज, मोबाइल एप्स और अकाउंट्स को ब्लॉक किया है। उन्होंने कहा कि I4C के तहत दिल्ली में एक राष्ट्रीय साइबर फॉरेंसिक प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।अब तक 1100 से अधिक अधिकारियों को साइबर फॉरेंसिक में प्रशिक्षित किया गया है और इस अभियान को जिलों और तहसील तक ले जाने का हमारा बहुत महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि साइबर अपराध की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मेवात, जामताड़ा, अहमदाबाद, हैदराबाद, चंडीगढ़, विशाखापट्टनम और गुवाहाटी में सात ज्वाइंट साइबर कोआर्डिनेशन टीम्स गठित की गई हैं और इनके बहुत अच्छे नतीजे मिले हैं। उन्होंने कहा कि I4C ने cyberdost के नाम से विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर एक प्रभावी जागरूकता अभियान भी चलाया है। शाह ने कहा कि इन सभी प्रयासों से हम एक मुकाम पर जरूर पहुंचे हैं लेकिन हमारा लक्ष्य अभी काफी दूर है।उन्होंने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें सटीक तरीके से रणनीति बनाकर और उस पर एकसाथ, एक ही दिशा में आगे बढ़ना होगा।

साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (CFMC): साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र की स्थापना नई दिल्ली स्थित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) में की गई है, जिसमें प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटर्स, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, आईटी मध्यस्थों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये सभी हितधारक ऑनलाइन वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई और निर्बाध सहयोग के लिए मिलकर काम करेंगे। सीएफएमसी कानून प्रवर्तन में "सहकारी संघवाद" का एक उदाहरण पेश करेगा।

रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने अपने पहले दौरे पर रेल कोच फैक्ट्री में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ) विश्व स्तरीय यात्री डिब्बों के उत्पादन में नए मानक स्थापित करने की अपनी यात्रा जारी रखते हुए, देश के रेलवे के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। नवीनतम नवाचारों में "अमृत भारत" कोच शामिल हैं, जो किफायती लागत पर आराम, सुरक्षा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करके आम आदमी की आकांक्षाओं को साकार करते हैं।

रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला के अपने पहले दौरे पर मीडिया को संबोधित करते हुए, रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने कहा कि अमृत भारत ट्रेन आम आदमी की यात्रा के लिए शुरू की गई है, और बताया कि इस वर्ष 50 से अधिक अमृत भारत ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनमें नॉन एसी स्लीपर होंगे। आरसीएफ द्वारा इस वर्ष 22 कोचों के साथ 05 अमृत भारत रेक बनाये जायेंगे। अमृत भारत कोच में 8 स्लीपर, 11 जनरल, 1 पेंट्री, 2 एसएलआरडी और एक लोको होगा, जिसमें बर्थ की बेहतर सौंदर्यता के साथ उन्नत दिख, सीसीटीवी, बेहतर एलईडी लाइटिंग, अग्नि शमन प्रणाली, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बोतल होल्डर, मोबाइल चार्जर और रात के दौरान किसी भी अप्रिय घटना के मामले में स्वचालित रूप से प्रकाश देने के लिए बाहरी एलईडी लाइटें होंगी।

बिट्टू ने आगे कहा कि "वंदे भारत" और "वंदे मेट्रो" ट्रेन सेट, अत्याधुनिक तकनीक, समकालीन डिजाइन और बेहतर प्रदर्शन मानक वाली हाई-स्पीड रेल में भारत के प्रवेश को प्रदर्शित करते हैं, जिनका निर्माण आरसीएफ द्वारा किया जा रहा है।

कम दूरी की इंटरसिटी यात्रा के लिए 130 किमी प्रति घंटे की गति क्षमता वाले 16 कोचों वाली पहली वंदे मेट्रो रेक को जल्द ही हरी झंडी दिखाई जाएगी, जो कम दूरी के रेल यात्रियों को एक नए तरह की रेल यात्रा का अनुभव देगी। 4364 की वहन क्षमता वाली वंदे मेट्रो में रूट मैप इंडिकेटर, सीसीटीवी, दिव्यांगजन यात्री शौचालय, बैठने की जगह के अंदर और बाहर इमरजेंसी टॉक बैक यूनिट, ट्रेन टक्कर से बचाव प्रणाली और यात्री सूचना प्रणाली भी होगी। इस वर्ष 160 किमी प्रति घंटे की गति क्षमता वाले "वंदे भारत" ट्रेन सेट के 2 रेक भी निर्मित किए जाएंगे।

मंत्री ने आगे कहा कि 338 किलोमीटर लंबी जम्मू-बारामूला रेलवे लाइन, उदहमपुर - श्रीनगर - बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) भारतीय रेलवे की एक महत्वपूर्ण परियोजना है जिसका उद्देश्य कश्मीर घाटी को जम्मू रेलवे स्टेशन और फिर देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना है। आरसीएफ को कश्मीर घाटी के ठंडे मौसम (शून्य से नीचे के तापमान वाले क्षेत्र) के लिए कोचों को उपयुक्त बनाने की जिम्मेदारी भी दी गई थी, जिसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अत्यधिक ठंड के मौसम में पानी को जमने से रोकने के लिए, इन कोचों में पानी की पाइपलाइनों में सेल्फ रेगुलेटिंग हीटिंग केबल और इन्सुलेशन प्रणाली स्थापित की गई है तथा इंसुलेटिंग मैटेरियल से ढकी हुई 2 लेयर वाली नॉन मैटेलिक पानी की टंकियां दी गई हैं।

कोचों को गर्म रखने के लिए उच्च क्षमता वाली एसी यूनिट (आरएमपीयू) भी लगाई गई है। यूएसबीआरएल सेक्शन में चलाने के लिए आरसीएफ द्वारा 02 रेक पहले ही भेजे जा चुके हैं और तीसरे रेक का निर्माण भी लगभग पूरा हो गया है।

भारत-अमेरिका संयुक्त युद्ध अभ्यास-2024 राजस्थान में शुरू

• **जालंधर ब्रीज.** राजस्थान

भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास-2024' का 20वां संस्करण राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में विदेशी प्रशिक्षण नोड में शुरू हुआ। यह अभ्यास 9 से 22 सितंबर 2024 तक आयोजित किया जाना है। युद्ध अभ्यास 2004 से हर साल भारत और अमेरिका के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाता रहा है।

इस संस्करण में सैन्य शक्ति और उपकरणों के संदर्भ में संयुक्त अभ्यास के दायरे और कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 600 सैनिकों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य सशस्त्र सेवाओं के जवानों द्वारा किया जा रहा है। इसी के समान शक्ति वाली अमेरिकी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिकी सेना की अलास्का स्थित 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की 1-24 बटालियन के सैनिकों द्वारा किया जा रहा है।

संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है, जो कि अर्ध-रेगिस्तानी वातावरण में संचालन पर केंद्रित होगा। इस दौरान किए जाने वाले सामरिक अभ्यासों में आतंकवादी कार्रवाई पर संयुक्त प्रतिक्रिया, संयुक्त योजनाबंदी और संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास शामिल हैं, जो वास्तविक आतंकवाद-रोधी मिशनों का ही अनुकरण करते हैं।

युद्ध अभ्यास दोनों पक्षों को संयुक्त अभियान चलाने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन, समन्वय और सौहार्द विकसित करने में मदद मिलेगी। संयुक्त अभ्यास से रक्षा सहयोग भी बढ़ेगा, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मैत्री संबंधों में और वृद्धि होगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सर्वसम्मति से पुनः संसदीय राजभाषा समिति का अध्यक्ष चुना गया

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सर्वसम्मति से पुनः संसदीय राजभाषा समिति का अध्यक्ष चुन लिया गया है। नई सरकार के गठन के पश्चात, संसदीय राजभाषा समिति के पुनर्गठन के लिए नई दिल्ली में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को समिति का अध्यक्ष चुना गया। वर्ष 2019 से 2024 के दौरान भी अमित शाह समिति के अध्यक्ष थे। गृह मंत्री ने सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष चुने जाने पर संसदीय राजभाषा समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 75 वर्षों से हम राजभाषा को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, लेकिन विगत 10 वर्षों में इसके तरीके में थोड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि के एम मुंशी और एन जी आयंगर ने बहुत सारे लोगों से विचार-विमर्श करके ये तय किया था कि हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करने और इसे सरकारी कामकाज में आगे बढ़ाने के क्रम में किसी भी स्थानीय भाषा के साथ हिंदी की स्पर्धा न हो।

अमित शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विगत 10 वर्षों में समिति ने लगातार यह प्रयास किया है कि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सहेली बने और इसकी किसी से कोई स्पर्धा न हो। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी भी स्थानीय भाषा के बोलने वालों के मन में हीनभावना न आए और हिंदी सामान्य रूप से सर्वसम्मति व सहमति से कामकाज की भाषा के रूप में स्वीकृत हो।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज़ादी के 75 वर्षों के बाद ये बहुत ज़रूरी है कि देश का शासन देश की भाषा में चले और हमने इसके लिए कई प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने शब्दकोष का निर्माण किया और शिक्षा विभाग को साथ लेकर भारत की स्थानीय भाषाओं से हज़ारों शब्द हिंदी में जोड़ने का काम किया। कई ऐसे शब्द थे जिनका पर्याय हिंदी में उपलब्ध नहीं था, हमने अन्य भाषाओं से अनेक शब्दों को स्वीकार कर न सिर्फ हिंदी को समृद्ध किया और इसे लचीली बनाया बल्कि उस भाषा और हिंदी के बीच के रिश्ते को भी मज़बूत करने का काम किया है।

अमित शाह ने कहा कि राजभाषा विभाग इस प्रकार का सॉफ्टवेयर बना रहा है जिससे आठवी अनुसूची की सभी भाषाओं का अपने आप तकनीकी आधार पर अनुवाद हो जाए। इस कार्य के पूरा हो जाने पर हमारे कामकाज में हिंदी की बहुत तेज़ गति से स्वीकृति और विकास होगा। उन्होंने कहा कि विगत 5 साल में हमने बहुत परिश्रम कर समिति के प्रतिवेदन के तीन बड़े खंड राष्ट्रपति जी को दिए हैं, जो पहले कभी नहीं हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि हमें इस गति को बरकरार रखना है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकार और स्वीकृति हमारे काम के दो मूल आधार होने चाहिएं। उन्होंने कहा कि हमें एक ऐसे लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना है जिससे 2047 में स्वतंत्रता दिवस पर गौरव के साथ हमारे देश का संपूर्ण संचालन भारत की भाषाओं में हो। उन्होंने कहा कि हमें 1000 साल पुरानी हिंदी भाषा को एक लंबे समय तक नया आयुष्य देना, स्वीकृत बनाना और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा हमारे सामने छोड़े गए कार्य को पूरा करने का प्रयास करना है।

गृह मंत्री ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय, राजगोपालाचारी, केएम मुंशी और सरदार पटेल आदि में से कोई भी हिंदी भाषी क्षेत्र से नहीं आते थे, लेकिन इन सभी ने इस बात को महसूस किया था कि हमारे देश की एक ऐसी भाषा होनी चाहिए जो एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच संवाद का काम करे। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा लाई गई नई शिक्षा नीति में हमने इस बात पर जोर दिया है कि बच्चे की प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में होनी चाहिए। जब बच्चा अपनी मातृभाषा को सीख लेता है तब वह देश की कई भाषाओं के साथ जुड़ जाता है।

अमित शाह ने कहा कि मुंशी-आयंगार समिति के तहत एक बात तय की गई थी कि हर 5 साल में एक भाषा कमीशन बनेगा जो भाषाई विविधता पर विचार करेगा, लेकिन इसे भुला दिया गया । उन्होंने कहा कि यह समिति अगले 5 साल में हमारी भाषाई विविधता को बरकरार रखेगी और हमारे बीच हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ाने का काम करेगी। गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी अब एक प्रकार से रोज़गार, तकनीक के साथ जुड़ गई है और नए युग की सभी तकनीकों को हिंदी भाषा से युक्त करने के लिए भारत सरकार भी विशेष प्रयास कर रही है। नई शिक्षा नीति में सभी मातृभाषाओं को महत्व देने का संकल्प लिया गया है उसे ये समिति बहुत आगे बढ़ाएगी। अमित शाह ने कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकृति मिलने के बाद यह 75वां वर्ष है और इस उपलक्ष्य में दिल्ली के भारत मंडपम में एक बहुत बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। संसदीय राजभाषा समिति का गठन राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 4 के उपबंधों के अंतर्गत वर्ष 1976 में किया गया था। समिति में 30 संसद सदस्य होते हैं जिसमें 20 लोक सभा और 10 राज्य सभा सदस्य होते हैं।

बैठक में संसदीय राजभाषा समिति के लिए मनोनीत किए गए राज्यसभा और लोकसभा सांसदों के साथ राजभाषा विभाग की सचिव, अंशुली आर्या के नेतृत्व में राजभाषा विभाग के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। संसदीय समिति के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

डीसी द्वारा जालंधर स्मार्ट सिटी प्रोजैक्टों की समीक्षा, काम तेज़ करने के दिए निर्देश

काला संघिया से ड्रेन को पुर्नजीवित करने, सड़कों के सुन्दरीकरन, स्मार्ट पुलिसिंग के इलावा अन्य कार्यों का लिया जायज़ा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत गठित बोर्ड आफ डायरैकटर्ज की मीटिंग की अध्यक्षता की। जालंधर नगर निगम के कमिश्नर गौतम जैन सहित डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को हिदायत की कि स्मार्ट सिटी अधीन चल रहे प्रोजैक्टों को निर्धारित समय में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए और इसकी रफ़्तार में तेज़ी लाई जाए।

मीटिंग दौरान अन्यों के इलावा काला संघिया से ड्रेन को पुर्नजीवित और सुन्दरीकरन, बायो रैमेडीएशन, सरफेस वाटर प्रोजैक्ट, साईनेज बोर्डों की स्थापना, स्पोर्टस हब प्रोजैक्ट, स्मार्ट पुलिसिंग प्रोजैक्ट, शहर के एंट्री प्वाईंटस का सुदंरीकरन और कई डिपोज़िट कार्यों का जायज़ा लिया। डा. अग्रवाल ने स्मार्ट सिटी के अंतर्गत चल रहे विकास प्रोजैक्टों और अन्य कार्यों की मौजूदा स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी के अंतर्गत इंटैगरेटिड कमांड कंट्रोल सैंटर प्रोजैक्ट लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही पूरी तरह चालू हो जाएगा, जिससे शहर की निगरानी और ट्रैफ़िक प्रबंधन में मदद मिलेगी। काला संघिया से ड्रेन के सुंदरीकरन प्रोजैक्ट का जायज़ा लेते हुए डा. अग्रवाल ने लगातार नज़रसानी को यकीनी बनाते प्रोजैक्ट को समय पर पूरा करने को कहा। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए चल रहे सभी कार्यों को जल्द पूरा करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे के साथ सम्बन्धित विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और जल्द पूरा करने की हिदायतें दी।

इमीग्रेशन फर्मों को अपने दफ्तरों व इमारतों में लाइसेंस डिस्प्ले करने का निर्देश

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने पंजीकृत इमीग्रेशन फर्मों और आईलटस संस्थानों को के साथ मीटिंग करते हुए राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मीटिंग के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(ज) डा.अमित महाजन भी मौजूद थे। डा. हिमांशु अग्रवाल ने पंजीकृत इमीग्रेशन फर्मों और आईलटस संस्थानों से कहा कि वे अपने दफ्तरों और इमारतों में जिला प्रशासन द्वारा जारी लाइसेंस डिस्प्ले करने को कहा ताकि लोगों को इन फर्मों के सरकारी पंजीकरण के बारे में पता चल सके। उन्होंने कहा कि सभी फर्मों को अपने व्यापारिक लेन-देन के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। डा. अग्रवाल ने लोगों से गैर-रजिस्टर्ड फर्मों द्वारा किसी भी धोखाधड़ी से बचने के लिए केवल पंजीकृत इमीग्रेशन फर्मों से संपर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा ऐसी सभी फर्मों की नियमित तौर पर जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी नियमों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है।

वाहन ऐप द्वारा बस स्टैंड पर वाहनों की जांच

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने वाहन ऐप का उपयोग करके बस स्टैंड पर वाहनों की जांच करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान तेज किया। बुधवार को स्वपन शर्मा, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, जालंधर की देखरेख में, सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए बेमेल या अवैध नंबर प्लेटों का पता लगाने के लक्ष्य के साथ वाहन ऐप का उपयोग करके बस स्टैंड पर वाहनों की जांच करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान चलाया गया। यह विशेष अभियान हरजिंदर सिंह पीपीएस, एसीपी मॉडल टाउन, जालंधर द्वारा दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच चलाया गया। इस अभियान के दौरान, बस स्टैंड चौकी इंचार्ज के सहयोग से वाहन ऐप के माध्यम से वाहनों की जांच की गई, जिसमें सावधानीपूर्वक निरीक्षण सुनिश्चित किया गया।

उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की गई जिससे यातायात कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित हुआ। वाहन ऐप के माध्यम से कुल 100 वाहनों की जांच की गई।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती, 4 वाहनों का चालान

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने यातायात उल्लंघन के खिलाफ एक विशेष अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को स्वपन शर्मा, आईपीएस, पुलिस कमिश्नर, जालंधर की देखरेख में यातायात उल्लंघन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया गया। यह विशेष अभियान मनमोहन सिंह, पीपीएस, एसीपी हेड क्वार्टर और हरजिंदर सिंह, पीपीएस, एसीपी मॉडल टाउन, जालंधर द्वारा शाम 6:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच चलाया गया। इस विशेष अभियान के दौरान, मॉडल टाउन मार्केट और पीपीआर मॉल, जालंधर में नाकाबंदी और चेकिंग की गई। इस विशेष नाकाबंदी और चेकिंग के दौरान, एसएचओ पुलिस स्टेशन डिवीजन नंबर 6 और एडिशनल एसएचओ पुलिस स्टेशन डिवीजन नंबर 7, कमिश्नरेट जालंधर द्वारा अभियान चलाया गया।

इस अभियान का उद्देश्य सुचारू यातायात प्रवाह, प्रत्येक नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करना और यातायात उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है। कुल 55 वाहनों की जांच की गई और अवैध काली फिल्म लगे होने के कारण 4 वाहनों का चालान किया गया।

पीड़ित लड़की से मिलने आज जालंधर पहुंचेगी राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

बीते शुक्रवार को जालंधर की रहने वाली डाक विभाग मे काम करने वाली लड़की संदिग्ध हालातो मे करनाल से बरामद होने के बाद करीब सात दिन बीत जाने के बाद भी शारीरिक तौर पर पूरी तरह ठीक ना होने के मामले मे शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य देलिना कोंडप दिल्ली से पीड़ित परिवार एवं लड़की से मिलने आ रही है। इस बात की जानकारी भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने दी।

सरीन ने बताया करीब आठ दिन बीत जाने के बाद भी लड़की स्वस्थ नही है इतना ही नही लड़की से किसी को भी मिलने नही दिया जा रहा है और डॉक्टर लड़की को अस्वस्थ बता रहे है। इस मामले मे प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अलग-अलग ब्यान घटना को लेकर बताये जा रहे है जो बेहद चिंता का विषय है। इस घटना को लेकर

पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़, पूर्व सांसद सुशील रिंकु, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव अविनाश चन्द्र, पंजाब भाजपा के उपप्रधान एवं पूर्व विधायक कृष्णदेव भंडारी ने भी पीड़ित परिवार के साथ मुलाकात बीते सोमवार को मुलाकात की थी, परंतु आज तक कोई ठोस कारवाई नजर नहीं आयी और इस मामले को दबाने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है।

सरीन ने बताया की इस मामले मे राष्ट्रीय महिला आयोग को पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई गयी थी जिसके बाद महिला आयोग की टीम मौका देखने आ रही है।

जालंधर, नकोदर और फिल्लौर में नैशनल लोक अदालत 14 को

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

ज़िला और सैशनज जज- कम- चेयरमैन ज़िला कानूनी सेवाएं अथारिटी, जालंधर निरभउ सिंह गिल ने आज जानकारी देते बताया कि राष्ट्रीय कानूनी सेवाएं अथारिटी, नई दिल्ली की तरफ से जारी प्रोगराम अनुसार माननीय जज पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और कार्यकारी चेयरमैन, पंजाब राज्य कानूनी सेवाएं अथारिटी चंडीगढ़ के नेतृत्व में नैशनल लोक अदालत 14 सितम्बर को जालंधर, नकोदर और फिल्लौर में लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में राज़ीनामा योग्य फ़ौजदारी केस चैक बाऊंस केस, बैंक रिकवरी केस, वैवाहिक झगड़े, ट्रैफ़िक चालान, मोटर दुर्घटना दावा केस, काम सम्बन्धित झगड़े, लैड्ड ऐक्यूज़ीशन केस, बिजली और पानी के बिलों सम्बन्धित, राजस्व विभाग के साथ सम्बन्धित और हर तरह के दीवानी केस निपटारे के लिए रखे जाएंगे। इसके इलावा उन्होंने जानकारी देते बताया कि लोक अदालत का फ़ैसला अंतिम होता है और इसके फ़ैसले के ख़िलाफ़ अपील नहीं की जा सकती। उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक केस इस राष्ट्रीय लोक अदालत में लगाए जाने की अपील की।

मेहरचंद पॉलिटेक्निक में नए स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

मेहरचंद पॉलिटेक्निक कॉलेज जालंधर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में नवनिर्मित स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन प्रिंसिपल डॉ. जगरूप सिंह, सिविल विभागाध्यक्ष डॉ.राजीव भाटिया एवं अन्य विभागों के प्रमुखों ने मिलकर किया। प्रिंसिपल डॉ. जगरूप सिंह ने कहा कि यह कॉलेज में तीसरा स्मार्ट क्लासरूम है और उनका लक्ष्य प्लैटिनम जुबली के अवसर पर हर विभाग में एक क्लासरूम बनाना है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में स्मार्ट क्लासरूम बहुत महत्वपूर्ण है, जहां डिजिटल बोर्ड, कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन हो और छात्र पढ़ाते समय इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा जगत से जुड़े हों। छात्रों को देखकर और सुनकर सिद्धांत की गहन समझ प्राप्त होती है। साथ ही इस उपलब्धि के लिए विभागाध्यक्ष डॉ.राजीव भाटिया और उनके स्टाफ को बधाई दी।

'सरकार आपके द्वार' प्रोग्राम के तहत आज भुलत्थ व 16 को फगवाड़ा में विशेष कैंप

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए "सरकार आपके द्वार" प्रोग्राम के तहत सब डिवीजन भुलत के गाँव खसन के हॉल, गुरु नानक निवास, बड़ा गुरुद्वारा साहिब मे 13 सितंबर को, और सब डिवीजन फगवाड़ा, गाँव अठौली के सरकारी सेकेंडरी स्कूल में 16 सितंबर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक एक विशेष कैंप आयोजित किया जायेगा। डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने कहा कि इस कैंप में सब-डिवीजन भुलत्थ और फगवाड़ा के आसपास के लोग कैंप में पहुंचकर अपनी समस्याओं का तुरंत समाधान करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की सेवाओं और जन कल्याण योजनाओं के अलावा विभिन्न विभाग भी अपने विभागों से संबंधित स्टॉल लगाएंगे और लोगों को मौके पर ही आवश्यक सेवाएं प्रदान करेंगे। इन विशेष कैंपो के दौरान माल विभाग, नगर परिषद, जल सप्लाई एवं सैनिटेशन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग आदि से संबंधित कार्यों की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

आतंकवाद पीडितों के बच्चों के लिए मैडीकल कालेजों में 4 सीटें आरक्षित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारत सरकार के ग्रह मंत्रालय द्वारा अकादमिक सैशन 2024- 25 दौरान केंद्रीय पूल के अलग- अलग मैडीकल कालेजों में एम.बी.बी.एस. की 4 सीटों सभी राज्य के आतंकवाद प्रभावित आम नागरिकों की श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित की गई है।

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि यह सीटें, जिन मैडीकल कालेज/संस्थानों में निर्धारित की गई है, उनमें गया (बिहार) के ए.एन.मगध मैडीकल कालेज में एक, मुंबई (महाराष्ट्र) के ग्रांट मैडीकल कालेज में एक और रायपुर (छत्तीसढ़) जे.एन.एम मैडीकल कालेज में दो सीटें आरक्षित है।

उन्होंने बताया कि इस लिए आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के बच्चे, जो एम.बी.बी.एस. के लिए अपेक्षित योग्यता रखने है, अप्लाई कर सकते है। उन्होंने बताया कि इसके लिए उम्मीदवार के 12वीं कक्षा के मैडीकल विषय में जनरल कैटागरी में 50 प्रतिशत अंक और एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. में 40 प्रतिशत अंक होने चाहिए। उम्मीदवार के नैट पेपर में जनरल श्रेणी के लिए 50 प्रतिशत अंक और एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी.के लिए 40 प्रतिशत अंकों का होना अनिर्वाय है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि योग्य उम्मीदवार अपने आवेदन 17 सितम्बर से पहले राजीव कुमार, अंडर सैक्ट्री (सी.टी. - 2, कमरा नंबर 81, सी.टी.सी.आर. डिवीज़न, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेज सकते हैं। इसके इलावा आवेदन और सम्बन्धित दस्तावेज़ को स्कैन करके rajeev.kumar67@nic.in पर भेजा जा सकता है।

आप दी सरकार, आप दे दुआर : कंडी के गांव बहेड़ा में लगा शिकायत निवारण कैंप

विधायक शाम चौरासी डा. रवजोत सिंह व डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने सुनी समस्याएं

• **जालंधर ब्रीज.** बहेड़ा(होशियारपुर)

'आप दी सरकार, आप दे दुआर' के अंतर्गत आज जिले के उपमंडल होशियारपुर के कंडी क्षेत्र के गांव बहेड़ा के सरकारी हाई स्कूल में गांव बहेड़ा, बाड़ी खड्ड, कोरट व टप्पा के गांवों के लोगों के लिए शिकायत निवारण कैंप लगाया गया। इस दौरान विधायक शाम चौरासी डा. रवजोत सिंह ने इस कैंप की शुरुआत की और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठ कर इलाके के गांवों के लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उनके साथ डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल व एस.डी.एम. होशियारपुर संजीव शर्मा व अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। कैंप के दौरान सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने विभागों की ओर से दी जाने वाली सेवाओं के बारे में लोगों को विस्तार से बताया और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देते हुए उनकी समस्याएं सुनी।

विधायक शाम चौरासी डा. रवजोत सिंह ने कहा कि मुख्य मंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार लोगों तक हर सुविधाएं पहुंचाने के लिए वचनबद्ध है, जिसके लिए

पंजाब सरकार की ओर से पूरे प्रदेश में इस प्रयास को शुरु किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिकायत निवारण कैंपों में सभी विभागों के अधिकारी लोगों के पास पहुंच कर उनकी समस्याओं का हल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब अपनी समस्याओं के हल के लिए लोगों को अधिकारियों के पास जाने की जरुरत नहीं बल्कि अधिकारी लोगों के पास उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंडी के इन गांवों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और इन समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं और जल्द ही इनका समाधान कर दिया जाएगा। उन्होंने गांव वासियों को विश्वास दिलाया कि उनकी हर जायज मांग को समाधान किया जाएगा।

कमिश्नरेट पुलिस ने दो नाबालिग बच्चों को परिवार से मिलवाया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने दो नाबालिग बच्चों (भाइयों) को ढूंढकर उन्हें उनके परिवार से मिलवाया। पुलिस चौकी बस स्टैंड, कमिश्नरेट जालंधर की टीम ने गलती से जालंधर की यात्रा करने वाले दो नाबालिग बच्चों को सफलतापूर्वक ढूंढ निकाला।

10 सितंबर को दो नाबालिग भाईयों इंद्रेश पुत्र, प्रीत नगर लुधियाना बस स्टैंड से गलती से गलत बस में चढ़ गए जिस कारण वे अपने घर से बहुत दूर जालंधर बस स्टैंड पहुंच गए थे। एक सतर्क नागरिक ने उन्हें तत्काल सहायता के लिए बस स्टैंड पर पुलिस चौकी तक पहुंचाया। चौकी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को तुरंत हिरासत में ले लिया तथा उन्हें सांत्वना दी। तुरंत सभी पुलिस स्टेशनों को वायरलेस संचार अलर्ट जारी किया जिससे त्वरित समाधान

संभव हो सका। इस बीच लुधियाना में बच्चों की माँ, ज्योति अपने बेटों के लापता होने का एहसास होने के बाद बहुत परेशान थी। जब उसे बच्चों के स्थान के बारे में पता चला तो वह तुरंत पुलिस चौकी बस स्टैंड जालंधर पहुँची। 11 सितंबर को पुलिस ने बच्चों को सुरक्षित रूप से उनकी माँ ज्योति को सौंप दिया।

'आप दी सरकार, आप दे द्वार' : विधायक व डीसी ने लिया कैंप का जायजा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

'आप दी सरकार, आप दे द्वार' प्रोगराम के अंतर्गत आज गाँव रहीमपुर में कैंप लगाया गया। विधान सभा हलका नकोदर से विधायक इन्द्रजीत कौर मान और डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने कैंप का जायज़ा लेते हुए कहा कि सूबा सरकार लोगों को अलग- अलग सेवाएं उचित ढंग के साथ मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'आप दी सरकार, आप दे द्वार' के अंतर्गत लगाए जा रहे कैंपों में अलग- अलग विभागों के अधिकारी मौजूद रहते है जिससे लोगों को मौके पर सेवाएं मुहैया करवाई जा सकें। उन्होंने ज़िला निवासियों को इन कैंपों का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कैंप दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनपत्र को पहल के आधार पर विचार कर आवेदकों को सेवाएं मुहैया करवाई जाएगी और लोगों को उनके दरवाजे पर नागरिक सेवाएं मुहैया करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की इस पहलकदमी का अधिक से अधिक लाभ दिया जाए।

जरूरी मुरम्मत के चलते आज बिजली बंद रहेगी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

इलाका वासियों को सूचित किया जाता है कि 66 के.वी सब स्टेशन पतारा से चलते 11 के.वी हजारा फीडर की जरूरी मुरम्मत के कारण आज सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम 4:00 बजे तक बिजली की सप्लाई गांव ढड्डा, कंगनीवाल, हजारा, जोहल, बोलीना, भोजोवाल आदि क्षेत्रों में प्रभावित रहेगी। इसके साथ ही 11 के.वी कंगनीवाल और 11 के.वी जोहल फीडर के साथ लगते गांव ढड्डा, जैतेवाली, हजारा, जोहल, बोलीना की मोटरों की सप्लाई भी बंद रहेगी।

आईसीसी ने सभी टीमों के डब्ल्यूटीसी फाइनल समीकरण किए जारी

भारत के फाइनल में पहुंचने की संभावना सबसे ज्यादा

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने सभी टीमों के डब्ल्यूटीसी फाइनल समीकरण जारी किए हैं। इसमें भारत के फाइनल में पहुंचने की संभावना सबसे ज्यादा है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया पिछले दो चक्र के फाइनल में भी जगह बनाने में कामयाब रही थी, लेकिन उन्हें खिताब नसीब नहीं हुआ। पहली बार न्यूजीलैंड ने तो दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने भारत के हाथों से खिताब छीना। वहीं अब टीम इंडिया की नजरें लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचकर खिताब के सूखे को खत्म करना होगा। भारत फिलहाल डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स

फोटो-बीसीसीआई

टेबल में सबसे ज्यादा 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप पर है। भारत के खाते में फिलहाल 68.52 प्रतिशत पॉइंट्स है। टीम इंडिया को वर्ल्ड टेसस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र में तीन टीमों के खिलाफ 10 और टेस्ट मैच खेलने हैं। अगर भारत ये 10 के 10 टेस्ट मैच जीतने में सफल रहता है तो वह अधिकतम 85.09 प्रतित अंकों तक पहुंच सकता है, अगर कोई कटौती नहीं होती है। हालांकि, टीम इंडिया के लिए ऐसा करना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि इन 10 में से 5 टेस्ट भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं की सरजमीं पर खेले हैं।

भारत की नजरें घर पर खेलने जाने वाले अन्य 5 टेस्ट मैचों पर होगी। रोहित शर्मा एंड बिग्रेड 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। अगर भारत ये पांचों टेस्ट जीतने में सफल हो जाता है तो वह अधिकतम 79.76 प्रतिशत अंकों तक पहुंच जाएगा। ऐसे में उनके फाइनल में पहुंचने के चांसेस काफी ज्यादा रहेंगे।

जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : आरटीओ आरएस गिल

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

रिजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारी (आरटीओ) आर.एस. गिल ने स्पष्ट किया कि जिले में किसी को भी यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा विशेष रूप से बड़े वाहनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जो वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विभाग के संज्ञान में आया कि कुछ विद्यार्थी बसों के पीछे लटककर यात्रा कर रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। इसे गंभीरता से लेते हुए विभाग ने आज एक बस (नंबर पी.बी 08 बी.के-8501) पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और चालान जारी किया गया। बस के मालिक और चालक को सख्त चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि इस प्रकार की गलती दोबारा की गई तो उनके खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरटीओ आर.एस. गिल ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पूरी तरह से पालन करें, क्योंकि यह उनकी और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि विशेषकर स्कूली बच्चों के लिए यातायात के नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है और माता-पिता को भी इस पर ध्यान देना चाहिए कि उनके बच्चे सुरक्षित तरीके से स्कूल जाएं और लौटें। आरटीओ ने कहा कि विभाग की टीमें लगातार सड़कों पर निगरानी कर रही हैं और किसी भी तरह के उल्लंघन को रोकने के लिए तत्पर हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.